

इन्द्रा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाडी



Examination Scheme

&

Syllabus

For

M.A. HINDI UNDER CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

w.e.f. Academic Session 2019-20

INDIRA GANDHI UNIVERSITY, MEERPUR, REWARI
M.A. HINDI

Semester-I**Credits= 28****Marks=700**

Sr. No.	Paper Code	Subjects	Type of Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical /Tutorial	Total	Theory	Practical	Total	Exam	Internal Assessment	Practical	
1	HND-1119	आधुनिक हिंदी कविता-1 (1857 से 1936)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
2	HND-1120	हिन्दी कहानीं	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
3	HND-1121	हिंदी साहित्य का इतिहास(आदिकाल से रीतिकाल तक)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
4	HND-1122	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
5	HND-1123	कम्प्यूटर का हिंदी में अनुप्रयोग	C.C.	2	4	6	2	2	4	60	40	--	100
6	HND-1124 1124(i) 1124(ii)	(i) साहित्य की समझ (ii) अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग	D.C.E.C	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
7	HND-1125 1125(i) 1125(ii)	(i) मूल्य शिक्षा (Value Education) (ii) Communication Skill and Personality Development	F.E.C.	2	--	2	2	--	2	40	10	--	50
8	HND-1126	संगोष्ठी (Seminar)	C.C.	--	--	--	--	--	1	--	--	--	25
9	HND-1127	स्वाध्याय (Self Study Paper)	C.C.	--	--	--	--	--	1	--	--	--	25
Total				24	04	28	24	2	28	500	150	--	700

F.E.C. = Foundation Course**C.C. = Core Course****D.C.E. C.= Discipline Centric Elective Course**

**Scheme of Examination for
M.A. HINDI**

Semester-II**Credits= 26****Marks=650**

Sr. No.	Paper Code	Subjects	Type of Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical/ Tutorial	Total	Theory	Practical	Total	Exam	Internal Assessment	Practical	
1	HND-2119	आधुनिक हिंदी कविता-2 (1936 से 1967)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
2	HND-2120	हिन्दी उपन्यास	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
3	HND-2121	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
4	HND-2122	हिंदी नाटक एवं रंगमचं	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
5	HND-2123	जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
6	HND-2124 2124(i) 2124(ii)	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) लोक साहित्य : संदर्भ एवं पाठ (ii) प्रवासी साहित्य	D.C.E.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
7	HND-2125	संगोष्ठी (Seminar)	C.C.	--	--	--	--	--	1	--	--	--	25
8	HND-2126	स्वाध्याय (Self Study Paper)	C.C.	--	--	--	--	--	1	--	--	--	25
Total				24	0	24	24	--	26	480	120	--	650

C.C. = Core Course**D.C.E.C. = Discipline Centric Elective Course**

**Scheme of Examination for
M.A. HINDI**

Semester-III**Credits= 25****Marks=650**

Sr. No.	Paper Code	Subjects	Type of Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical/ Tutorial	Total	Theory	Practical	Total	Exam	Internal Assessment	Practical /Project	
1	HND-3119	समकालीन हिंदी कविता-3 (1967 से अद्यतन)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
2	HND-3120	कथेतर गदय विधाएं	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
3	HND-3121	भारतीय काव्यशास्त्र	C. C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
4	HND-3122	आधुनिक भारतीय साहित्य	C. C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
5	HND-3123	विशिष्ट रचनाकार : निम्नलिखित रचनाकारों में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा 3123(i) 3123(ii) 3123(iii) 3123(iv)	D.C.E.C	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
6	HND-3124	संप्रेषण कौशल (Open Elective Course)	O.E.C	3	--	3	3	--	3	80	20	--	100
7	HND-3125	संगोष्ठी (Seminar)		--	--		--	--	1	--	--	--	25
8	HND-3126	स्वाध्याय (Self Study Paper)		--	--	--	--	--	1	--	--	--	25
Total				23	0	23	23	--	25	480	120	--	650

C.C. = Core Course**O.E.C. = Open Elective Course****D.C.E.C. = Discipline Centric Elective Course**

Scheme of Examination for**M.A. HINDI****Credits= 26****Semester-IV****Marks=650**

Sr. No.	Paper Code	Subjects	Type of Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical/ Tutorial	Total	Theory	Practical	Total	Exam	Internal Assessment	Practical	
1	HND-4119	आदिकालीन और मध्यकालीन कविता	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
2	HND-4120	अस्मितामूलक साहित्य चिंतन (स्त्री, दलित, आदिवासी आदि)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
3	HND-4121	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
4	HND-4122	हिन्दी आलोचना	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
5	HND-4123 4123(i) 4123(ii)	(i) समकालीन साहित्य चिंतन(भाकर्सीवाद से विखण्डनवाद तक की विचारधाराओं के संदर्भ में) (ii) हिन्दी की संस्कृति (संस्थाएं, पत्रिकाएं, आन्दोलन, केन्द्र)	D.C.EC.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
6	HND-4124 4124(i) 4124(ii) 4124(iii) 4124(iv) 4124(v)	विशिष्ट रचनाकार : निम्नलिखित रचनाकारों में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा. प्रेमचन्द (i), जयशंकर प्रसाद (ii) निराला (iii), अश्वय (iv), मुकितबोध (v) (कोई एक)		4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
7	HND-4125	संगोष्ठी (Seminar)		--	--	--	--	--	1	--	--		25
8	HND-4126	स्वाध्याय (Self Study Paper)		--	--	--	--	--	1	--	--		25
Total				24	0	24	24	--	26	480	120	--	650

C.C. = Core Course**D.C.E.C. = Discipline Centric Elective Course****Duration: 4 Semesters (2 years)****Total Credit : 105****Total Marks : 2650**

GENERAL INSTRUCTIONS

I. SEMINAR/ JOURNAL CLUB:

Maximum Marks-25

Every candidate will have to deliver a seminar of 30 minutes duration on a topic (not from the syllabus) which will be chosen by him / her in consultation with the teacher of the department. The seminar will be delivered before the students and teachers of the department. A three member committee (one coordinator and two teachers of the department of different branches) duly approved by the departmental council will be constituted to evaluate the seminar. The following factors will be taken into consideration while evaluating the candidate. Distribution of marks will be as follows:

- | | | |
|----|-----------------------------|----------|
| 1. | Presentation | 10 marks |
| 2. | Depth of the subject matter | 10 marks |
| 3. | Answers to the questions | 05 marks |

II. SELF-STUDY PAPER:

Maximum Marks-25

Objective: This course intends to create habits of reading books and to develop writing skills in a manner of creativity and originality. The students are to emphasize upon his/her own ideas/words which he/she has learnt from different books, journals and newspapers and deliberate the same by adopting different ways of communication techniques and adopting time scheduling techniques in their respective fields. This course aims:

- To motivate the students for innovative research and analytical work
- To inculcate the habit of self study and comprehension
- To infuse the sense of historical background of the problems
- To assess the intensity of originality and creativity of the students

Students are guided to select topic of their own interest in the given area in consultation with their teachers/Incharge/Resource Person.

Instructions for Students

1. Choose the topic of your interest in the given areas and if necessary, seek the help of your teacher.
2. Select a suitable title for the paper.
3. You are expected to be creative and original in your approach.
4. Submit your paper in two typed copies of A4 size 5-6 pages (both sides in 1.5 line spaces in Times New Roman Font size 12).
5. Organize the paper in three broad steps:
 - (a) Introduction
 - (b) Main Body
 - (c) Conclusion
6. Use headings and sub-headings.
7. Use graphics wherever necessary.
8. Give a list of books/references cited/used.
9. The external examiner will evaluate the self-study paper in two ways i.e. Evaluation (15 Marks) and Viva-Voce (10 marks).

Distribution of Marks

1.The evaluation is divided into different segments as under :	15 Marks
(i) Selection of the topic	- 3 Marks
(ii) Logical organization of the subject matter	- 5 Marks
(iii) Conclusion	- 5 Marks
(iv) References	- 2 Marks

2.Viva-Voce: **10 Marks**

The external examiner will hold Viva-Voce based on the contents of the student's Self Study Paper focusing upon the description by the candidate.

प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र

HND-1119**आधुनिक हिंदी काव्य—1(1857 से 1936)**

पूर्णांक : 100

लिखित : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में से किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित काई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग—अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई—1

?

आधुनिकता की अवधारणा और हिंदी कविता में आधुनिकता
हिन्दी नवजागरण
भारतेन्दु युगीन हिंदी कविता
राष्ट्रीय काव्य धारा

इकाई—2

छायावाद; की पृष्ठभूमि
छायावाद की प्रवृत्तियाँ
छायावाद के प्रमुख कवि
छायावादोत्तर काव्य

इकाई—3

निर्धारित कविताएँ

भारतेन्दु हरिश्चंद्रः निज भाषा उन्नति अहै
मैथिलीशरण गुप्तः भारतभारती(वर्तमानखण्ड)
बालकृष्ण शर्मा नवीनः हम अनिकेतन
माखनलाल चतुर्वेदीः कैदी और कोकिला

इकाई—4

निर्धारित कविताएँ

जयशंकर प्रसाद :
कामायनी (श्रद्धा, आनन्द सर्ग)
निराला : राम की शक्तिपूजा
सुमित्रानन्दन पंत— परिवर्तन, अनामिका के कवि के प्रति

महादेवी वर्मा—पंथ रहने दो अपरिचित, क्या पूजा क्या अर्चन रे

सहायक ग्रंथ

हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास—(खण्ड—8,9,10)— नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी ।
आधुनिकता बोध— रामधारी सिंह दिनकर— नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण— रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य— वीर भारत तलवार— किताब घर नई दिल्ली ।
छायावाद— नामवर सिंह — राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली ।
निराला की साहित्य साधना—1,2,3— रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली ।
आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास— नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।
निराला : एक आत्महंता आस्था— दूधनाथ सिंह, लोक भारती प्रकाशन , इलाहाबाद ।
कामायनीः एक पुनर्विचार— मुकितबोध— राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली ।
कामायनीः एक पुनर्मूल्यांकन— रामस्वरूप चतुर्वेदी— लोकभारती इलाहाबाद ।
महादेवी वर्मा— दूधनाथ सिंह— राजकमल, नई दिल्ली ।
पंत और पल्लव— सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'—गंगा ग्रंथागार, लखनऊ ।
काव्यकला एवं अन्य निबंध— जयशंकर प्रसाद, लोकभारती , इलाहाबाद ।
जयशंकर प्रसाद— नंददुलारे वाजपेयी— भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
छायावाद और नवजागरण— महेन्द्रनाथ राय— राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
कल्पना और छायावाद— केदारनाथ सिंह— वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
आधुनिक हिंदी कविता एवं आलोचना की द्वन्द्वात्मकता— कमला प्रसाद— साहित्य वाणी, इलाहाबाद ।
हिंदी में छायावाद— मुकुटधर पाण्डेय— तिरुपति प्रकाशन, हापुड़ ।
भारतीय स्वचंद्रतावाद और छायावाद— प्रेमशंकर— वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
माखनलाल चतुर्वेदी— श्रीकांत जोशी— साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
आधुनिक कवि भाग:7— हरिवंशराय बच्चन— हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग ।
आधुनिकता और साहित्य : दुर्गाप्रसाद गुप्त — सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
आधुनिकतावाद : दुर्गाप्रसाद गुप्त — प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली
आधुनिकता के पहलू : विपिन कुमार — लोकभारती प्रकाशन

**प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र**

HND-1120**हिन्दी कहानी**

पूर्णांक : 100

लिखित : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौवस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 पूरे पाठ्य कम से इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित काई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई-1

कहानी की अवधारणा

हिंदी कहानी: उद्भव, विकास और स्वरूप

प्रारंभिक कहानी की मूल प्रवृत्ति

इकाई-2

प्रेमचंदयुगीन हिंदी कहानी

विविध कहानी आन्दोलन

समकालीन हिंदी कहानी

इकाई-3

निर्धारित कहानियाँ

उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी), आकाशदीप (जयशंकर प्रसाद), कफ्न (प्रेमचंद), परिंदे (निर्मल वर्मा), तीसरी कसम (फणीश्वरनाथ रेणु)

इकाई-4

निर्धारित कहानियाँ

पिता (ज्ञानरंजन), पार्टीशन (स्वयं प्रकाश), डेफोडिल जल रहे हैं (मृदुला गर्ग), तिरिछ (उदयप्रकाश), प्रेत मुक्ति (संजीव)

सहायक ग्रंथ—

कथा सरित्सागर—(तीन खण्ड)– बिहार राश्ट्रभाषा परिषद् पटना।
पंचतंत्र— विष्णु शर्मा— मोती लाल बनारसी दास— पटना।
हिंदी कहानी का विकास— गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिंदी कहानी संग्रह— सं. भीश्म साहनी, साहित्य अकादमी दिल्ली।
प्रेमचंद और उनका युग— राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
अधूरे साक्षात्कार— नेमिचंद जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
कहानी नई कहानी— नामवर सिंह लोकभारती इलाहाबाद।
नई कहानी: संदर्भ एवं प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी, राजकमल, नई दिल्ली।
हिंदी कहानी: प्रकिया और पाठ— सुरेन्द्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद।
शांति निकेतन से शिवालिक तक— सं. शिवप्रसाद सिंह, भारतीय ज्ञान पीठ— दिल्ली।
हिंदी कहानी: अस्मिता की तलाश— मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकुला।
कहानी का लोकतंत्र— पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकुला।
समकालीन कहानी का समाजशास्त्र— देवेन्द्र चौबे, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
हिंदी कहानी: वक्त की शिनाख्त और सृजन का राग— रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिंदी कहानी का विकास— मधुरेश— लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

**प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र**

HND-1121

**हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल से रीतिकाल तक)**

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:-

- पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर दना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक—एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी का प्रत्येक इकाई से एक—एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई-1

साहित्य के इतिहास की अवधारणा
हिंदी में साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण

इकाई-2

आदिकाल: नामकरण एवं पृष्ठभूमि
आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लोक साहित्य।

इकाई-3

भवितकाल: सामाजिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक पृष्ठभूमि
वैष्णव भक्ति का उदय और दक्षिण के आलवार संत
निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ
भवितकाल के प्रमुख कवियों का परिचय
भवितकालीन गद्य—साहित्य

इकाई-4

द्वारबारी संस्कृति और रीतिकाल
रीतिकाल: परिस्थितियाँ एवं नामकरण
रीति कवियों का आचार्यत्व
रीति सिद्ध, रीत बद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराएं,
रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य

सहायक ग्रंथ

हिंदी साहित्य का इतिहास— रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी ।
हिंदी साहित्य का इतिहास— सं. डॉ. नागेंद्र— मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली ।
त्रिवेणी— रामचंद्र शुक्ल— नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी ।
हिंदी साहित्य का आदिकाल— हजारी प्रसाद द्विवेदी—बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना ।
हिंदी साहित्य की भूमिका— हजारी प्रसाद द्विवेदी— राजकमल, नई दिल्ली ।
हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास— हजारी प्रसाद द्विवेदी— राजकमल, नई दिल्ली ।
हिंदी साहित्य का अतीत(दो खण्ड)— विश्वनाथ प्रसाद मिश्र— वाणी प्रकाशन ।
रीतिकाल की भूमिका— डॉ. नगेंद्र— नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
हिंदी रीति साहित्य— भागीरथ मिश्र— राजकमल, नई दिल्ली ।
परंपरा का मूल्यांकन— रामविलास शर्मा— राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
लोक जागरण और हिंदी साहित्य— रामविलास शर्मा— राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
हिंदी साहित्य का सरल इतिहास— विश्वनाथ त्रिपाठी , ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली ।
वैष्णव भक्ति का उदय और विकास— सुवीरा जायसवाल— ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली ।
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास— रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद ।
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य— शिवकुमार मिश्र, लोकभारती, इलाहाबाद ।

**प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र**

HND-1122

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

पूर्णांक : 100

लिखित : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

समय : 3 घण्टे

नोट:-

- पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक—एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक—एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई -1

भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति

भाषा अध्ययन की दिशाएँ –वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक हिन्दी की उपभाषाएँ : पूर्वी हिन्दी और उनकी बोलियां, पश्चिमी हिन्दी और उनकी बोलियां हिन्दी के विविध रूप : बोली, भाषा, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और ग्रियर्सन का वर्गीकरण काव्य भाषा के रूप में अवधि का विकास काव्य भाषा के रूप में ब्रज का विकास साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का विकास हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

इकाई -2

ध्वनि उत्पादन की प्रक्रिया स्वर एवं व्यंजन : परिभाषा और वर्गीकरण स्वनगुण एवं उसकी सार्थकता स्वनिक परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई -3

शब्द : परिभाषा और वर्गीकरण वर्तनी : परिभाषा और स्वरूप भाषा की प्रथम और सहज इकाई के रूप में वाक्य वाक्य की गहन एवं बाह्य संरचना वाक्य के प्रकार : (i) रचना की दृष्टि से (ii) अर्थ की दृष्टि से हिन्दी का मानकीकरण

अर्थ : परिभाषा, शब्द—अर्थ संबंध

अर्थ—परिवर्तन की दिशाएं

भाषा और व्याकरण संबंध

नागरी लिपि : नामकरण और सुधार का इतिहास

नागरी लिपि की वैज्ञानिकता

नागरी लिपि का मानकीकरण

हिन्दी : प्रचार—प्रसार प्रमुख व्यक्तियों का योगदान

प्रमुख संस्थाओं का योगदान

सहायक ग्रंथ

भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास — डॉ नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला 2006 ₹०

भाषाविज्ञान एवं हिंदी — डॉ नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2007 ₹०
हिंदी भाषा — डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2005 ₹०

भाषाविज्ञान — डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2006 ₹०

भाषाविज्ञान की भूमिका — प्रो० देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, दरियागंज दिल्ली — 2001 ₹०

हिंदी भाषा का इतिहास — डॉ धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ₹०

हिंदी : उद्भव विकास और रूप — डॉ हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद 1980 ₹०

सामान्य भाषाविज्ञान — डॉ बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1983 ₹०

व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन— डॉ दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुओं, पटना 2000 ₹०
आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह— चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली 2000 ₹०

**प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र**

HND-1123

कम्प्यूटर का हिंदी में अनुप्रयोग

पूर्णांक : 100

लिखित : 60

प्रयोगिक परीक्षा : 40

समय : 3 घण्टे

नोट:-

- पूरे पाठ्यक्रम से नौ लघूतरी प्रश्न पूछे जाएँगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएँगे। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई-1

कम्प्यूटर (संगणक) प्रणाली— परिचय, उद्भव एवं विकास
परिभाषा, उपकरण और प्रयोग
आंकड़ा संसाधन, वर्तनी संशोधन

इकाई-2

इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय, इंटरनेट के उपकरणों का परिचय
समय मितव्ययिता का सूत्र, वर्ल्ड वाइड वेब (www) का विकास, प्रचार, प्रसार
डाउनलोड एवं अपलोड

इकाई-3

हिंदी वेबसाइट्स: परिचय,
पोर्टल क्या है?, पोर्टल का स्वरूप, हिंदी पोर्टल,
वेबसाइट परिभाषा, हिंदी वेबसाइट्स : वर्गीकरण, भाषा, साहित्य, पत्रिकाएं, समाचार आदि

इकाई-4

हिंदी साहित्य से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण वेबसाइट्स और ब्लॉगपोस्ट का परिचय
सोशल साइट्स का परिचय, उपयोग और महत्व।

सहायक पुस्तकें

अपना कम्प्यूटर र अपनी भाषा में— राजेश रजन— हिंदी बुक्स सेटर।
आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान— विनोद कुमार मिश्र— हिंदी बुक्स सेटर।
Basic Computer- Deepak Chakravarti- Hindi book center.

कम्प्यूटर और हिंदी— हरिमोहन—हिंदी बुक्स सेटर।
कम्प्यूटर बेसिक शिक्षा—गुंजन शर्मा—हिंदी बुक्स सेटर।
आओ कम्प्यूटर जानें— अमित गर्ग—हिंदी बुक्स सेटर।
कम्प्यूटर बेसिक नॉलेज— कोमल कथूरिया—हिंदी बुक्स सेटर।

प्रथम सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्नपत्र

HND–1124(i)
साहित्य की समझ

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोटः—

- पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से चार—चार दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से दो—दो प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई—1

साहित्य और समाज : सैद्धान्तिक विवेचन
भाषा और उसका सर्जनात्मक रूप
साहित्य संबंधी अवधारणाएँ : भारतीय और पाश्चात्य
साहित्य और समाज
साहित्य और मनोविज्ञान
साहित्य और राजनीति
साहित्य और विचारधारा
साहित्य और संस्कृति
साहित्य और इतिहास
साहित्य एवं अन्य कलाएँ
साहित्य का प्रयोजन

इकाई—2

साहित्य और समाज : कहानियों के आईने में

- भूमि अधिग्रहण की समस्या**
टोकरी भर मिट्टी — माधवराव सप्रे
लाल छींट वाली लुगडी का सपना— सत्यनारायण पटेल
- साम्प्रदायिकता की समस्या**
शरणदाता — अज्ञेय
गुरु चेला संवाद — असगर वज़ाहत
- उपर्योक्तावादी संस्कृति और बाजार का प्रतिरोध**
पक्षी और दीमक — मुकितबोध
बच्चे गवाह नहीं हो सकते — पंकज विष्ट

4. पिरुसत्तात्मक समाज व्यवस्था और संस्कृति

करवा का ब्रत — यशपाल
आक एगारसी — अलका सरावगी

सहायक ग्रंथ—

1. हिंदी साहित्य का इतिहास— आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान
2. हिंदी साहित्य की भूमिका— हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका— मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. साहित्य और इतिहास दृष्टि— मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. साहित्यालोचन— श्यामसुंदर दास— इंडियन प्रेस, इलाहाबाद
6. साहित्य सहचर— हजारी प्रसाद द्विवेदी— लोकभारती इलाहाबाद।
7. साहित्य के सिद्धांत तथा रूप— भगवतीचरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. आलोचना और विचारधारा— नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. आज और आज से पहले— कुंवर नारायण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. सर्जना और संदर्भ— अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
11. छठवाँ दशक— (राजनीति और साहित्य शीर्षक निबंध) विजय देवनारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
12. मुक्तिबोध रचनावली— खंड पाँच(समाज और साहित्य) राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
13. मिट्टी की ओर— रामधारी सिंह दिनकर— लोक भारती , इलाहाबाद।
14. What is Literature- Jean- Paul Sartre- Routledge – London
15. On Literature- J.Hillis Miller- Routledge – London
16. Ideology – Michael Freeden- Oxford University Press – London.
17. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र—शरणकमार लिबाले— वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
18. साहित्य का नया सौंदर्यशास्त्र— सं. देवेन्द्र चौबे— किताब घर

द्वितीय सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्न पत्र

HND-1124(ii)

अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग

पूर्णांक : 100 लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:-

- पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर दनो होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक—एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक—एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई— 1

अनुवाद का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

अनुवाद : स्रोतभाषा एवं लक्ष्य भाषा

अनुवाद के सिद्धान्त

अनुवाद प्रक्रिया : विलेषण, अंतरण और पुनर्गठन

अनुवाद का महत्व

इकाई — 2

अनुवाद की इकाई (शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ)

अच्छे अनुवाद के सामान्य तत्त्व एवं अनुवादक के गुण

अनुवाद : कला, विज्ञान या शिल्प

अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद

साहित्यिक अनुवाद : पद्यानुवाद, गद्यानुवाद

इकाई — 3

अनुवाद की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय

कप्प्यूटर अनुवाद

कार्यालयी अनुवाद

पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद

अनुवाद की सीमाएं

इकाई — 4

व्यावहारिक अनुवाद : अंग्रेजी से हिंदी (एक अनुच्छेद)

सहायक ग्रंथ

अनुवाद विज्ञान : डॉ० भोलानाथ तिवारी, शब्दकार

अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा : प्रो० सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन

अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँ : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

अनुवाद विज्ञान एवं सम्प्रेषण : हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन

अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग : जी० गोपीनाथ, लोकभारती

अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग : डॉ० नगेन्द्र, दिल्ली
अनुवाद सिद्धान्त : डॉ० भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली
हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रथम सेमेस्टर
सप्तम प्रश्न पत्र

HND-1125(i)

मूल्य शिक्षा

पूर्णांक : 50
लिखित : 40
आंतरिक मूल्यांकन : 10
समय : 2 घण्टे

प्रथम सेमेस्टर
सप्तम प्रश्न पत्र

HND-1125(ii)

Communication Skill and Personality Development

पूर्णांक : 50
लिखित : 40
आंतरिक मूल्यांकन : 10
समय : 2 घण्टे

द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र

HND-2119

आधुनिक हिंदी कविता
(1936 – 1967)

पूणार्क : 100

लिखित : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

समय : 3 घण्टे

नोटः—

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग—अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई— 1

छायावादोत्तर काव्य का राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश
प्रगतिवाद : प्रवृत्तियाँ, युगबोध एवं सौन्दर्यबोध
प्रयोगवाद : तारसप्तक का महत्त्व, युगबोध, सौन्दर्यबोध और प्रयोगधर्मिता

इकाई — 2

नई कविता, आधुनिकताबोध, अस्तित्ववाद, लघुमानववाद
अकविता : प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएं

इकाई — 3

रामधारी सिंह दिनकर : उर्वशी (तृतीय सर्ग)
अज्ञेय : असाध्य वीणा
गजानन माधव मुवितबोध : ब्रह्मराक्षस, भूल—गलती
केदारनाथ अग्रवाल : माझी न बजाओ वंशी, चन्द्रगहना से लौटती बेर
भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश, गाँव

इकाई — 4

नागार्जुन : अकाल और उसके बाद, मास्टर
शमशेर बहादुर सिंह : बात बोलेगी, एक पीली शाम
रघुवीर सहाय : रामदास
केदारनाथ सिंह : बनारस

राजकमल चौधरी : मुक्ति प्रसंग

सहायक ग्रंथ

नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 एक साहित्यिक की डायरी : गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ
 कल्पना का उर्वशी विवाद : सं० गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन
 मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना : नद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 प्रगतिवाद : शिवदान सिंह चौहान, प्रदीप कार्यालय, मुरादाबाद
 नहे रु युग और अकविता : वेद प्रकाश, नवचते न प्रकाशन, दिल्ली
 कवि कह गया है : अशोक वाजपेयी, भारतीय ज्ञानपीठ
 मरे समय के शब्द : केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन
 राजकमल चौधरी का रचना कर्म : दवे शंकर नवीन, भारतीय प्रकाशन संस्थान
 साठेत्तरी हिंदी कविता: परिवर्तित दिशाएँ : विजय कुमार – प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
 पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त : रामधारी सिंह दिनकर – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र

HND-2120

हिंदी उपन्यास

पूर्णांक : 100

लिखित : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग—अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई— 1

उपन्यास : अवधारणा, उद्भव और विकास
हिन्दी उपन्यास और मध्य वर्ग
प्रेमचन्दयुगीन हिंदी उपन्यास और भारतीय परिवेश
प्रेमचन्द परवर्ती उपन्यास
हिन्दी उपन्यास और विचारधारा

इकाई— 2

देश विभाजन और हिंदी उपन्यास
समकालीन हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ
स्त्री उपन्यास लेखन
1990 के बाद का हिन्दी उपन्यास

इकाई— 3

गोदान : प्रेमचन्द
सुनीता : जैनेन्द्र कुमार

इकाई— 4

कितने पाकिस्तान : कमलेश्वर
कठगुलाब : मृदुला गर्ग

सहायक ग्रंथ

हिंदी उपन्यास एक अंतरयात्रा — रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
प्रेमचन्द और उनका युग — रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
प्रेमचन्द व्यक्तित्व और कृतित्व — हंसराज रहबर, आत्माराम प्रकाशन, दिल्ली
अधूरे साक्षात्कार — नैमिंद्र जैन, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
कथा समय — विजय मोहन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचन्द पूर्व के हिंदी उपन्यास — ज्ञानचंद जैन, आर्य प्रकाशन मण्डल

हिंदी उपन्यास का विकास – मधुरशे, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
 अज्ञेय और उनके उपन्यास – गोपाल राय, गंश्र निकेतन, पटना
 उपन्यास और समकालीनता – ज्योतिष जोशी भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
 इत्तिवृत्त की संरचना और संरूप – डॉ० रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला
 समकालीन कथा साहित्य : सरहदे और सरोकार – डॉ० रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला
 उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
 भारतीय उपन्यास और आधुनिकता – वैभव सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला
 हिंदी उपन्यास का स्त्री पाठ – रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
 हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
 भूमण्डलीकरण और हिंदी उपन्यास : डॉ० पुष्पपाल सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र

HND-2121

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पूर्णांक : 100

लिखित : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
- 2 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- 3 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक—एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक—एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई— 1

हिंदी गद्य का उद्भव और विकास

1857 की क्राति और सांस्कृतिक नवजागरण

भारतेदुं और उनका युग

महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : प्रमुख गद्य लेखक राष्ट्रवादी एवं स्वचंद्रतावादी काव्यधाराओं के कवियों का परिचय

इकाई— 2

छायावाद के प्रमुख कवि, काव्य, प्रवृत्तियों

प्रगतिवाद के प्रमुख कवि और काव्य

प्रयोगवाद के मुख्य कवि और काव्य

नई कविता एवं समकालीन कविता के प्रमुख कवि

इकाई— 3

(हिन्दी में गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास —1)

कहानी और उपन्यास

नाटक और एंकाकी

निबन्ध

आलोचना

इकाई— 4

(हिन्दी में गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास —2)

आत्म कथा, जीवनी, संस्मरण रेखाचित्रिपोर्ट्रेज, यात्रा साहित्य, डायरी

हिन्दी का प्रवासी साहित्य

प्रमुख आस्मितावादी विमर्श (स्त्री, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, किसान, पर्यावरण

पत्र पत्रिकाएँ

सहायक ग्रंथ

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी

हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली

महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली

हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी साहित्य का दसूरा इतिहास : बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
हिंदी कविता का अतीत और वर्तमान : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
उपन्यास और लोकतन्त्र : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : अवधेश प्रधान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
आदिवासी साहित्य का इतिहास : हरिराम मीणा
इतिहास क्या है : ई०एच०कार – मैकमिलन प्रकाशन
स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बोयुअर – हिंदी पॉकेट बुक्स

द्वितीय सेमेस्टर चतुर्थ प्रश्नपत्र

HND-2122

हिंदी नाटक एवं रंगमंच

पूर्णांक : 100

लिखित : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित काई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई- 1

नाटक और रंगमंच : अवधारणा और स्वरूप

हिंदी नाटक : उद्भव और विकास

हिंदी रंगमंच : उद्भव और विकास

हिंदी नाटक : आधुनिकता बोध और प्रयोगधर्मिता

इकाई – 2

जयशंकर प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना

चंद्रगुप्त : जय शंकर प्रसाद

अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

इकाई – 3

मोहन राकेश के नाटकों में आधुनिकता बोध एवं प्रयोगधर्मिता

अंधायुग का नाट्य शिल्प और अस्तित्ववाद

आधे-अधूरे : मोहन राकेश

अंधायुग : धर्मवीर भारती

इकाई – 4

विभाजन : मानवीय त्रासदी का रूपक

मिस्टर अभिमन्यु : लक्ष्मीनारायण लाल

जिस लाहौर नह देख्या ओ जम्याइ नह : असगर वजाहत

सहायक ग्रंथ

भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 भारतेन्दु युग और हिंदी भाषा की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
 हिंदी नाटक उद्भव और विकास : दशरथ ओझा, राजपाल एंड सन्स
 हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
 आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन
 मोहन राकेश और उसके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
 हिंदी नाटक : बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
 मोहन राकेश रंग शिल्प एवं प्रदर्शन : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
 हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर षष्ठ प्रश्नपत्र

HND-2123

जनसंचार माध्यम एवं हिंदी

पूर्णांक : 100
 आंतरिक मूल्यांकन : 20
 लिखित : 80
 समय : 3 घण्टे

नोट:-

- पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक—एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक—एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई— 1

जनसंचार : अवधारणा, स्वरूप और विकास
 जनसंचार के प्रमुख सिद्धान्त और सिद्धान्तकार
 जनसंचार और हिंदी

इकाई — 2

प्रिंट मीडिया का स्वरूप (समाचार पत्र, पत्रिकाएं आदि)
 प्रिंट मीडिया के लिए लेखन (संपादकीय, फीचर आदि)
 प्रिंट मीडिया की भाषा

इकाई – 3

इलेक्ट्रोनिक मीडिया का स्वरूप

इलेक्ट्रोनिक मीडिया के लिए लेखन (टीवी०, रेडियो, फ़िल्म आदि)

कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु लेखन (समाचार चैनल, रिपोर्टिंग, मनोरंजन, फ़िल्म समीक्षा, विज्ञापन लेखन, एंकरिंग आदि) इकाई – 4

सोशल मीडिया और हिंदी

ई-कॉमर्स, ई-बीजनस, ई-पत्रिका आदि

सोशल मीडिया की भाषा

सहायक पुस्तकें:-

संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रमेश विलियम्स

संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पी०सी० जोशी

हिंदी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास : अर्जुन तिवारी

साक्षात्कार सिद्धान्त एवं व्यवहार – रामशरण जोशी

पत्रकारिता में अनुवाद : रामशरण जोशी – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

पटकथा लेखन एक परिचय : मनोहर श्याम जोशी – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

हिंदी विज्ञापन की भाषा : आशा पाण्डेय – ब्लैकी एंड एन पब्लिकेशंस, दिल्ली

समाचार संकलन एवं लेखन : नदं किशोर त्रिखा – उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

इलेक्ट्रोनिक मीडिया लेखन : रमेश जैन – आधार प्रकाशन

जनसंचार माध्यमों में हिंदी : चंद्र कुमार – क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली

पत्रिका संपादन कला : रामचंद्र तिवारी – आलखे प्रकाशन, दिल्ली

**द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र**

HND-2124 (i)

लोक साहित्य : संदर्भ एवं पाठ

पूर्णांक : 100

लिखित : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1, 2 व 3 से कोई 8 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित काई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग—अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई— 1

लोक साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

लोक साहित्य का इतिहास

लोक संस्कृति और साहित्य

लोक साहित्य : परम्परा एवं प्रर्योग

इकाई— 2

साहित्य और लोक का अन्तर एवं अंतःसंबंध

लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया

लोक साहित्य के संकलन और दस्तावेजीकरण की समस्याएं

इकाई— 3

लोकगीत

लोककथा

लोकगाथा (सांग)

लोकनाट्य

इकाई— 4

हरियाणवी : उद्भव और विकास

हरियाणवी उपबोलियों का परिचय

हरियाणा के लोकगीत

ऋतु गीत – 1. सावन के गीत (1,8,9,25,30)
2. फागुन के गीत (1,2,3)
(पुस्तक का शीर्षक : हरियाणा के लोकगीत, लेखक : साधुराम शारदा)

हरियाणा की नौटकी –

ज्यानी चोर – लखमीचन्द ग्रंथावली
संम्पादक पूर्णचन्द शर्मा
शाही लकड़हारा

हरियाणवी लोकनाट्य

नल दमयन्ती – लखमीचन्द ग्रंथावली
संम्पादक पूर्णचन्द शर्मा
सत्यवान सावित्री

सहायक ग्रंथ

लोकसाहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
भारत में लोकसाहित्य : कृष्णदेव उपध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
लोकसंस्कृति में राष्ट्रवाद : बद्री नारायण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
परम्परा, इतिहास और संस्कृति : श्यामचरण दूबे, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
पंचदश लोकभाषा, निबंधावली : बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
भोजपुरी भाषा और साहित्य : उदयनारायण तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
स्वन प्रक्रिया : विजयदान देथा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
भारत की लोकभाषाएं – नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
भारत में आदिवासी क्षेत्र की लोककथाएं – नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
भिखारी ठाकुर रचनावली – बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
हरियाणवी और उसकी बोलियों का अध्ययन : डॉ० पूर्णचन्द शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य : डॉ० शंकरलाल यादव, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
हरियाणवी साहित्य का इतिहास : डॉ० बाबूराम एवं रघुवीर मथाना, लक्ष्मण साहित्य प्रकाशन, रोहतक
हरियाणवी भाषा और साहित्य : डॉ० बाबूराम, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
हरियाणा के लोकगीत : साधुराम शारदा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
ब्रह्मानंद सरस्वती रचनावली – हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
हरियाणवी लोककथाएं : सं० शंकरलाल यादव, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
लखमीचन्द ग्रंथावली – हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
हरियाणवी लोककाव्य नाट्य एवं नाट्य के गौरव : सं० शिवताज सिंह, विवेक पब्लिशिंग हाउस, जयपुर

**द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र**

HND-2124 (ii)
प्रवासी साहित्य

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई – 1

प्रवासी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप और विकास
प्रवासन का साहित्य और अप्रवासी समाज

इकाई – 2

हिंदी में प्रवासी लेखन
प्रवासी लेखन की मुख्य प्रवृत्तियाँ

इकाई – 3

लाल पसीना : अभिमन्यु अनन्त (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
हवन : सुषम बेदी (अभिरुचि प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई – 4

वह रात और अन्य कहानियाँ : उषा राजे सक्सेना (सामयिक प्रकाशन)

चुनिदां व्यंग्य रचनाएँ : धर्म जैन

गुड्डे में देश
तीन व्यग्य
इकतीसवीं सदी में
झंडा ऊचा रहे हमारा

सहायक ग्रंथ

वर्तमान साहित्य (प्रवासी साहित्य विशेषांक) : सं० कुंवरपाल सिंह – अलीगढ़

समकालीन कथा साहित्यः सरहदें और सरोकार : डॉ० रोहिणी अग्रवाल आधार प्रकाशन,
पंचकूला प्रवासी संसार : सं० राकेश पाण्डेय – दिल्ली
ब्रिटेन में हिंदी : उषा राजे सक्सेना – मेधा बुक्स, दिल्ली
अन्यथा अंक 4 : सं० कृष्ण किशोर – अमेरिका
प्रवासी कहानियाँ : सं० हिमांशु जोशी, साहित्य अकादमी
लाल पसीना (उपन्यास) : अभिमन्यु अनत – राजकमल प्रकाशन,
दिल्ली हवन (उपन्यास) : सुषम बैदी – अभिरुचि प्रकाशन, दिल्ली

